Raj Express (Indore), 1st August 2021, Page-11

आईआईटी इंदौर की फैकल्टी को राष्ट्रीय संवाददाता के रूप में चुना गया

इंदौर। आईआईटी इंदौर की फैकल्टी को राष्ट्रीय संवाददाता के रूप में चुना गया है। डॉ. मो. फारुक आजम को शिक्षा मंत्रालय, भारत और विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा (डब्ल्यूजीएमएस), स्विटजरलैंड द्वारा राष्ट्रीय संवाददाता के रूप में चुना है। उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा भारतीय ग्लेशियोलॉजिस्ट के परामर्शों से नामित किया गया। डॉ. आजम आईआईटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर है। वे 12 सालों से हिमालय के हिमनदों व जल विज्ञान पर काम कर रहे हैं और हिमनदों के स्वास्थ्य, खतरों व हिमनदित घाटियों में जल विकास के बारे में विज्ञान में हाल के दो पत्रों सहित कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। राष्ट्रीय संवाददाता के रूप में डॉ. आजम विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवाओं, स्विटजरलैंड के साथ पत्राचार में हिमालय के हिमनदों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनका मुख्य कार्य डब्ल्यूजीएमएस नेटवर्क के साथ भारत में ग्लेशियर निगरानी का समन्वय और प्रतिनिधित्व करना, डब्ल्यूजीएमएस के लिए भारत के लिए केंद्रीय संचार नोड होना व भारत के वार्षिक डेटा संग्रह के लिए जिम्मेदार होना और ग्लोबल ग्लेशियर चेंज बुलेटिन श्रंखला के प्रकाशन के लिए डब्ल्यूजीएमएस को प्रस्तुत करना होगा।

टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब की स्थापना की- आईआईटी इंदौर ने इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स में (दृष्टि सीपीएस) नामक एक टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) की स्थापना की है। ये कौशल वृद्धि, प्रौद्योगिकी विकास और उत्पाद व्यावसायीकरण में नेतृत्व करेगा। प्रस्तावित हब का व्यापक उद्देश्य एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है जो सीपीएस के मॉडलिंग, सिमुलेशन और विजुअलाइजेशन को सुविधाजनक बनाने वाली प्रौद्योगिकियों के विकास और व्यावसायीकरण का समर्थन करेगा। इसके लिए आईआईटी इंदौर ने एक नया सीईओ, कर्नल (डॉ.) सुनील दत्ता (सेवानिवृत्त) नियुक्त किया है। प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, निदेशक (कार्यवाहक) ने कहा सही मायने में दृष्टि सीपीएस का उद्देश्य एक आत्मनिर्भर प्रणाली बनाकर प्राप्त किया जाएगा जो अनुसंधान व विकास परियोजनाओं, पेटेंट, लाइसेंसिंग और व्यावसायीकरण, स्टार्टअप कंपनियों के ऊष्मायन और स्पिन-ऑफ, और उद्योग के साथ संयुक्त परियोजनाओं का समर्थन करेगा। हब की योजना लघु पाठ्यक्रम, वेबिनार आयोजित करने व जल्द ही फेलोशिप कार्यक्रम पेश करने की है। विविरण जल्द ही कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हो जाएगा।

मानव जीवन में सीपीएस का तेजी से प्रसार हुआ- डॉ. पवन कुमार कांकर, परियोजना निदेशक, ने कहा आईआईटी इंदौर की सभी संस्थाओं को एनएम-आईसीपीएस के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संगठनों व सहयोगी प्रौद्योगिकी नवाचार हब के साथ एक टीम के रूप में काम करना होगा। डॉ. सुनील ने कंपनी की बागडोर संभालने के बाद कहा मनुष्य से जुड़े हर क्षेत्र में सीपीएस का बढ़ता महत्व है। जीवन के हर पहलू में डिजिटल उपस्थिति की मांग ने मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र में एक आदर्श बदलाव की जरुरत है। यह डिजिटलाइजेशन सिर्फ इंसानों तक ही सीमित नहीं है। वास्तव में मशीनों और आधुनिक प्रणालियों के डिजिटल होने के अलावा इंटरनेट ऑफ थिंग्स की तैनाती के माध्यम से परस्पर जुड़े होने की भी उम्मीद है। ऐसी प्रणालियां जिन्हें साइबर फिजिकल सिस्टम्स (सीपीएस) के रुप में जाना जाता है, डेटा विश्लेषण व कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम है। मानव जीवन में सीपीएस का तेजी से प्रसार हुआ है। राष्ट्रीय मिशन, स्पष्ट रुप से इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-आईसीपीएस) की रोजमर्रा की जिंदगी पर महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। हालांकि सीपीएस परिनियोजन के प्रभावी मॉडलिंग, सिमुलेशन व विजुअलाइजेशन की बात आती है तो चुनौतियां होती हैं।